



खंड-4, अंक-8

अगस्त-2023

संपादकीय

संरक्षक:

डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

संकलन एवं संपादन:

डॉ. राकेश मणि शर्मा
डॉ. पी. कु. प्रणव
डॉ. एम.एल. मीणा
डॉ. कुमारी रापना
डॉ. आशीष कुमार पंडा
डॉ. सुधा नंदनी
गुप्तनाथ त्रिवेदी
डॉ. कुमार राज्यवर्धन

तकनीकी सहयोग:

मनीष कुमार

मुद्रण:

प्रकाशन प्रभाग

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय
कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क:

www.rpcau.ac.in
publicationdivision@rpcau.ac.in

डॉ.रा.प्र.के.कृ.वि.वि., पूसा

कुलपति महोदय का
सन्देश

प्रिय पाठकों,

मुझे अगस्त, 2023 माह की ई-समाचार पत्रिका प्रस्तुत करते हुए अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है। यह अंक विश्वविद्यालय के अनेक उपलब्धियों की शृंखलाओं से परिपूर्ण रहा। विश्वविद्यालय के इतिहास में कई उपलब्धियां पहली बार जुड़ीं जो समस्त विश्वविद्यालय परिवार को गौरवान्वित किया।

पहली बार विश्वविद्यालय में 5.42 लाख रुपये के औसत वार्षिक पैकेज (रु. 9.5 लाख उच्चतम और रु. 3 लाख न्यूनतम) के साथ कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन महाविद्यालय के विद्यार्थियों का शत प्रतिशत 100% कैंपस प्लेसमेंट दर्ज किया गया। एक ओर जहाँ माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा मन की बात के 100वें संस्करण में हमारे विश्वविद्यालय का उल्लेख हुआ वहीं दूसरी ओर विश्वविद्यालय ने अपनी एन.आई.आर.एफ. रैंकिंग में 36वें स्थान से सुधार कर 33वां स्थान प्राप्त किया है, साथ ही, इंडिया टुडे एम.डी.आर.ए सर्वेक्षण रिपोर्ट, 2023 के शीर्ष 10 विश्वविद्यालयों (10वीं रैंक) में स्थान बनाने में भी कामयाबी हासिल की है। शीर्ष 10 की सूची में देश के शहरी क्षेत्रों में विद्यमान अन्य विश्वविद्यालयों की उपस्थिति एवं हमारे विश्वविद्यालय की ग्रामीण पृष्ठभूमि में उपस्थिति के बावजूद सामान्य विश्वविद्यालयों की श्रेणी में स्थान बनाना, इस उपलब्धि को और विशेष बना देता है।

उपरोक्त उपलब्धियों के अलावा, हम ने विश्वविद्यालय की विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों पर चर्चा और मूल्यांकन हेतु दिनांक 3 से 5 जुलाई 2023 तक 14वें अनुसंधान परिषद (खरीफ) की बैठक का आयोजन डॉ. ए.डी. पाठक, पूर्व कुलपति, आनंद कृषि विश्वविद्यालय, जूनागढ़ एवं नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, नवसारी, डॉ. एम.बी. चेटी, पूर्व कुलपति, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़, डॉ. विकास दास, निदेशक, भा. कृ. अनु. प.-राष्ट्रीय लीची अनुसंधान संस्थान, डॉ. मीनू श्रीवास्तव, अधिष्ठाता, सामुदायिक विज्ञान, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान जैसे प्रसिद्ध वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय में चल रहे खरीफ फसलों से संबंधित संपूर्ण अनुसंधान कार्यक्रम पर मंथन किया गया, साथ ही, भावी अनुसंधान की रूप रेखा बनाये जाने पर बल दिया गया। इस अवसर पर वैज्ञानिकों द्वारा बनाई गई अनुसंधान परियोजनाओं की प्रस्तुति एवं निरंतरता पर स्वीकृति हेतु गहन विचार मंथन किया गया। विचार विमर्श के दौरान जीन एडिटिंग, स्पीड ब्रीडिंग, टिशू कल्चर जैसे अन्य तकनीकों का प्रयोग कर केले और पपीते के पौधे तैयार करना, सब्जी उत्पादन के लिए हाइड्रोपोनिक तकनीक, रोकेंडरी और डिजिटल, कृषि, लैंगिक समानता, लैंगिक रोजगार और बाजार सूचना अध्ययन (छात्रों द्वारा किये जाने वाले शोध) को बढ़ावा देने के अलावा कृषक समुदाय की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में हमारे शोध कार्यक्रमों को सही दिशा देने हेतु बहुत अच्छे सुझाव प्राप्त हुए। कार्यक्रम में शोध डेटा की शुचिता का ध्यान रखने की बात भी कही गयी।

हमारे विश्वविद्यालय को और अधिक दृश्यमान बनाने के लिए मात्रापूर्ण और गुणवत्तापूर्ण डेटा और उससे निकलने वाले प्रकाशन भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, अतः इसके लिए हमारे वैज्ञानिकों ने विद्वान एवं आई. आर. आई. एन. एस. (IRINS) डाटाबेस पर अपना पंजीकरण कराना चाहिए, जिससे उनके अनुसंधान एवं अकादमिक कार्यों की दृश्यता बढ़ सके। साथ ही, किसान केंद्रित अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करने के लिए कृषि सूचना, नवीन प्रौद्योगिकियों एवं तकनीकों के स्थानांतरण हेतु कृषि विज्ञान के नेटवर्क का व्यापक रूप से उपयोग किया जाना चाहिए और किसानों की प्रतिक्रिया भी प्राप्त करनी चाहिए।

यद्यपि, इन उपलब्धियों ने हमें हर्षित और गौरवान्वित किया है, परन्तु साथ ही अधिक विनम्र, सतर्क और संवेदनशील एवं सामाजिक आवश्यकताओं के प्रति उत्तरदायी होने होने का आह्वान भी करता है।

अंत में, मैं सभी संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं से आह्वान करता हूँ कि, आइए हम अपनी मानसिकता बदलें और अपने माननीय प्रधानमंत्री जी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के आह्वान पर कार्य करने हेतु मिलकर काम करें एवं विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में विश्वविद्यालय को एक सक्रिय भागीदार बनाने के लिए "सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन" के संकल्प के साथ कार्यरत रहें।

जय हिन्द।

(डॉ. पी. एस. पाण्डेय)



Volume-4, Issue-8

August-2023

EDITORIAL BOARD

Chief Patron:

Dr. P. S. Pandey
Vice-Chancellor

Compiled & Edited by:

Dr. R.M. Sharma
Dr. P. K. Pranav
Dr. M.L. Meena
Dr. A.K. Panda
Dr. S. Nandni
G. Trivedi
Dr. K. Rajyavardhan

Tech. Assistance :

Manish Kumar

Published by:
Publication Division
RPCAU, Pusa.Contact:
www.rpcau.ac.in

Dr. R.P.C.A.U., Pusa

Vice-Chancellor's
Message

Dear Readers,

I am immensely pleased to present the university e-newsletter for the month of August, 2023. This issue carries series of achievements that happen 1st time in the history of RPCAU to bring glory to the university

which made us proud to be part of it. We have 100 % placement of students of the School of Agri-Business and Rural Management with an average annual package of Rs. 5.42 lakhs (Rs. 9.5 lakh highest and Rs. 3 lakhs lowest). Our university not only found mention in **100th edition of Man ki Baat** by Hon'ble Prime-Minister but also has improved its NIRF ranking from 36 to 33 and **ranked in top 10 universities (10th Rank) of India Today MDRA survey report, 2023**. I feel it is a unique honor for the university in a sense that this is the only agricultural university which find place in India Today, MDRA Survey of general universities (in top 10) of the country despite having locational disadvantage of rural setup as other universities mentioned in the list are situated in urban areas.

Besides, above achievements, we hold 14th RCM (kharif) to discuss and evaluate our research programmes in presence of renowned scientists and academicians like Dr. A.D. Pathak, Former Vice-Chancellor, AAU, Junagarh and NAU, Navsari; Dr. M.B. Chetti, Former Vice-Chancellor; UAS, Dharwad; Dr. Vikash Das, Director, ICAR-NRC on Litchi and Dr. Meenu Srivastava, Dean, Community Science, MPAU, Udaipur, Rajasthan. During three days (3rd to 5th July 2023) RCM programme entire research programme pertaining to Kharif crops running in the university have been churned-out to find-out the gap and draw a roadmap to bridge this gap. Research projects presented by our faculties and scientists were evaluated and screened out for consideration of their continuance/permission to launch them. This exercise come out with valuable suggestion to introduce research programme on Gene editing, Speed Breeding, Tissue Culture Techniques for preparing Banana and Papaya saplings, Hydroponic technology for vegetable production, Secondary and Digital agriculture, Gender equality, Gender employment and Market Intelligence Studies and promotion of the students research to shape our research programmes in right direction towards meeting the farming community needs.

We have to be very careful about purity of research data and emanating publications there from as quantity and quality is equally important to make our university more visible and impactful at National and International level. For this our faculties and scientists have to register themselves on the Vidwan and IRINS database of INFLIBNET. Also, KVK network must be used very exhaustively for transfer of innovative technologies and to have the farmers feedback for identifying the thrust areas of farmers centric research.

While these achievements made us happy and proud, it calls upon being more humble, vigilant, sensitive and responsive towards societal needs.

At the end, I must appeal to all our faculties, scientists, employees and students to let us change our mind-set and join hands together to work on the mantra of our Prime-Minister "**Reform, Perform and Transform**" to make our university an active partner in realizing the Goal of Viksit Bharat (Developed India) by 2047.

Jai Hind!

(Dr. P. S. Pandey)

शिक्षा एवं शैक्षिक गतिविधियाँ

- **आभासी दुनिया-एक परिचय पर एक संवेदीकरण कार्यशाला:** कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय पूसा में दिनांक 05-07 जुलाई 2023 तक छात्रों के लिए आभासी दुनिया-एक परिचय पर एक संवेदीकरण कार्यशाला मॉड्यूल का आयोजन किया गया। विभिन्न महाविद्यालयों के 36 से अधिक छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया एवं भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् द्वारा विकसित विभिन्न मॉड्यूल का व्यावहारिक रूप से अनुभव प्राप्त किया।



- **स्टडी-टूर-कम-एक्सपोज़र विजिट :** दिनांक 06.07.2023, 07.07.2023 और 11.07.2023 को छात्रों को मछली प्रजनन, स्पॉनिंग आदि के व्यावहारिक अवलोकन हेतु बाबा मत्स्य फार्म, मतलपुर, मुजफ्फरपुर का भ्रमण करवाया गया। स्टडी टूर-कम-एक्सपोज़र विजिट के तहत क्रमशः छठे सेमेस्टर (बैच 2020-24), चतुर्थ सेमेस्टर (बैच 2021-25), व प्रथम सेमेस्टर (बैच 2022-26) के एम.एफ.एससी., एफआरएम और एक्वाकल्चर (2022-24 बैच) के छात्रों को भ्रमण कराया गया।



- दिनांक 10 जुलाई, 2023 "राष्ट्रीय मत्स्य पालन दिवस" के अवसर पर मत्स्यकी महाविद्यालय ढोली द्वारा वृहद वृक्षारोपण अभियान का आयोजन : राष्ट्रीय मत्स्य पालन दिवस के अवसर पर मत्स्यकी महाविद्यालय ढोली के अधिष्ठाता, संकाय सदस्य, गैर-शिक्षण कर्मचारी और छात्रों ने कुल 198 पौधे लगाये जिसमें 38 करंज (मिलेटिया पिन्नाटा), 38 सागवान (टेक्टोना ग्रैंडिस), 19 नीम (अज़ादिदाक्ता इंडिका), 19 लाल गुलमोहर (डेलोनिकस रेजिया) 19 पीला गुलमोहर (पेल्टोफोरम पेटेंकार्पम), 19 कचनार (बौहिनिया वेरिएगाटा), 1 बरगद (फिकस बैंगलेंसिस), 1 इमली (टामरिंडस इंडिका), 2 जामुन (साइजियम जम्बोलाना), 1 बहेरा (टर्मिनलिया बेलिरिका), 1 पवित्र अंजीर (फिकस टिलिजियोसा), 12 भारतीय मूंगा वृक्ष (एटीथ्रिना वेरिएगाटा), 10 शरीफा (एनोना एसक्यूमोसा), 1 महुआ (मधुआ लॉगिफोलिया), 2 गूलर (फाइकस टेसमोसा) और 14 अमलतास (कैसिया फिस्टुला) के पौधे शामिल थे।



- दिनांक 14 जुलाई 2023 को मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली के बी.एफ.एस.सी. तृतीय वर्ष (बैच 2020-24) के 46 छात्रों के लिए एक अध्ययन-सह-उद्योग भ्रमण का आयोजन किया गया। जिसमें एरावत फीड्स प्राइवेट लिमिटेड, नदील, पटना, बिहार का भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान मछली चारा उत्पादन की संपूर्ण प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया, साथ ही छात्रों को मछली चारा उत्पादन में प्रयोग में आने वाले कच्चे माल के बारे में जानकारी भी दी गई।



- तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने दिनांक 26 जुलाई, 2023 को कॉलेज ऑडिटोरियम में "मेरी माटी मेरा देश" विषय पर कारगिल विजय दिवस मनाया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता ने "शहीदों के नाम एक दीप" कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मौके पर सभी छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों द्वारा पंच प्राण का शपथ लिया गया।



EDUCATION & EDUCATIONAL ACTIVITIES

- A Sensitization Workshop on Introduction to Virtual Reality Modules for Students was organized during 05-07, July 2023 at College of Agricultural Engineering and Technology, Pusa. More than 36 students of different colleges of the university participated in the programme. The students practically experienced different modules developed by ICAR and other institutions.



- Under study Tour-cum-Exposure Visit, the students of VIth Semester (batch 2020-24), IVth Semester (batch 2021-25) and Ist Semester (batch 2022-26) made a visit to Baba Matsya Farm, Matlupur, Muzaffarpur for practical experiment on-farm fish breeding, spawning etc. on 06.07.2023 and 07.07.2023 and 11.07.2023 respectively.



- A massive tree plantation drive was organized by College of Fisheries, Dholi on the occasion of "National Fish Farmers Day" on 10th July, 2023. The Dean, faculty members, non-teaching staff, +2 College students, and students of the college planted 198 plants comprising 38 Karanj (*Millettia pinnata*), 38 Sagwan (*Tectona grandis*), 19 Neem (*Azadirachta indica*), 19 Red Gulmohar (*Delonix regia*), 19 Yellow Gulmohar (*Peltophorum pterocarpum*), 19 Kachnar (*Bauhinia variegata*), 1 Banyan (*Ficus bengalensis*), 1 Tamarind (*Tamarindus indicus*), 2 Jamun (*Syzygium jambolana*), 1 Bahera (*Terminalia bellirica*), 1 Sacred fig (*Ficus religiosa*), 12 Indian coral tree (*Erythrina variegata*), 10 Sharifa (*Annona squamosa*), 1 Mahua (*Madhuca longifolia*), 2 Gular (*Ficus racemosa*) and 14 Amaltas (*Cassia fistula*) trees across the campus.



- A study tour-cum-industry visit was arranged for forty-six (46) third-year B.F.Sc. students (Batch 2020-24) from the College of Fisheries, Dholi on 14th July 2023. The visit took place at Eravat Feeds Pvt. Ltd., Nadaul, Patna, Bihar. During the visit, the complete production process was demonstrated to the students, and they were briefed about the raw materials used in fish feed manufacturing.



- TCA, Dholi celebrated Kargil Vijay Diwas-2023 on 26th July, 2023 in College Auditorium on the "Meri Mati Mera Desh. Dean, TCA, Dholi inaugurated the programme "Ek Deep Saheedo ke Naam". On this occasion, Panch Pran Shapath was taken by all the students, faculty members and staffs of the college.



- दिनांक 26.07.2023 को कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा के सभी संकाय सदस्य और पी.जी./ पीएच.डी. और बी.टेक.- (छठे सेमेस्टर) के छात्रों ने डॉ. नचिकेत कोतवालीवाले, निदेशक, भा. कृ.अनु. प.-रिफैट, लुधियाना द्वारा "प्रौद्योगिकी: फसल कटाई प्रसंस्करण एवं माध्यमिक कृषि से समृद्धि का मार्ग" विषय पर दिए गये अतिथि व्याख्यान सत्र में भाग लिया।



- 100% प्लेसमेंट सफलता का उत्सव : कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन महाविद्यालय में छात्रों (कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन बैच 2021-2023) के 100% प्लेसमेंट सफलता उत्सव समारोह को विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. पी. एस. पांडेय, माननीय कुलपति महोदय द्वारा की गयी। अध्यक्ष महोदय ने प्लेसमेंट प्रक्रिया से सम्बद्ध सभी पदाधिकारियों/कर्मियों के योगदान की सराहना की एवं 100% प्लेसमेंट सफलता प्राप्त करने में शामिल हुए विद्यार्थियों को सम्मानित किया।



- दिनांक 29 अप्रैल 2023 को एम.एफ.एससी. छात्र, श्री अमित कुमार छत्री (बैच: 2021-22), श्री विजय गुप्ता (बैच: 2021-22), सुश्री गुडली सामल (बैच: 2020-21), श्री धीरज कुमार कश्यप और सुश्री सतरूपा (बैच: 2018-19), दो पीएच.डी. छात्र, सुश्री अदिति बनिक् और श्री वाल्डे स्वप्रिल गोपाल (बैच-2022-23) ने भा.कृ.अनु.प., कृषि अनुसंधान सेवा की नेट परीक्षा (ICAR-ARS NET) उत्तीर्ण किया।



गुडली सामल



धीरज कुमार कश्यप



अमित कुमार छत्री



विजय गुप्ता



अदिति बनिक्



वालडे स्वप्रिल गोपाल



सतरूपा

- कैम्पस प्लेसमेंट के दौरान तिरहुत कृषि महाविद्यालय, डोली के तीन छात्रों का चयन इफको सेल्स ऑफिसर ट्रेनी के रूप में हुआ है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता ने उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।



अनुसंधान गतिविधियाँ

- चौदहवीं अनुसंधान परिषद् बैठक (खरीफ-2023) का आयोजन



विश्वविद्यालय के विद्यापति सभागार में दिनांक 03 से 05 जुलाई 2023 के बीच 14वीं अनुसंधान परिषद् की बैठक का आयोजन माननीय कुलपति डॉ० पी. एस. पाण्डेय की अध्यक्षता में किया गया। अनुसंधान परिषद् में देश के प्रसिद्ध विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया जिस में डॉ. ए. डी. पाठक, पूर्व कुलपति, आनंद कृषि विश्वविद्यालय, जूनागढ़ एवं नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, नवसारी, ; डॉ. एम.बी. चेटी, पूर्व कुलपति; कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़; डॉ. विकास दारा, निदेशक, भा. कृ. अनु. प.-राष्ट्रीय लीची अनुसन्धान संस्थान, डॉ. मीनू श्रीवास्तव, अधिष्ठाता, सामुदायिक विज्ञान, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान, श्री दिलीप कुमार, पूर्व निदेशक, सीआईएफई, मुंबई, सलाहकार, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बिहार पशु चिकित्सा कॉलेज कैम्पस, पटना जैसे प्रसिद्ध वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। तीन दिनों के विचार-विमर्श के दौरान, शुरुआत में सभी अधिष्ठाता और निदेशकों ने अपने संबंधित इकाइयों की प्रमुख अनुसन्धान उपलब्धियों की प्रस्तुति दी। अनुसन्धान परिषद् के तकनीकी सत्र में, सत्रह विश्वविद्यालय वित्त पोषित परियोजनाएँ और ग्यारह बाह्य वित्त पोषित परियोजनाओं को विस्तृत रूप से प्रस्तुत कर



- On 26.07.2023, all faculty members of CAET and students of P.G. / Ph. D. and B. Tech. (AgE) - 6th semester attended and participated in guest speaker session on "Engineering the path of prosperity through post-harvest processing and secondary agriculture" by Dr. Nachiket Kotwaliwale, Director, ICAR-CIPHET, Ludhiana at CAET, Pusa.



➤ **100% Placement Success Celebrations**

100% placement success celebration event for MBA (Agribusiness and Rural Management batch 2021-2023) was organized at University Auditorium. The event was chaired by Dr. P. S. Pandey, Hon'ble Vice-Chancellor, RPCAU, Pusa. The chairman appreciated the contribution of all concerned involved in achieving 100% placement success and felicitated the students.



- **M.F.Sc. students**, Mr. Amit Kumar Kshatri (batch: 2021-22), Mr. Vijay Gupta (batch: 2021-22), Ms. Goodly Samal (batch: 2020-21), Mr. Deeraj Kumar Kashyap and Ms. Satrupa (batch: 2018-19), Two Ph.D. students, Ms. Aditi Banik and Mr. Walde Swapnil Gopal (Batch-2022-23) cleared ICAR-ARS NET conducted on 29th April, 2023



Goodly Samal



Deeraj Kumar Kashyap



Amit Kumar Kshatri



Vijay Gupta



Aditi Banik



Walde Swapnil Gopal



Satrupa

- Three students of TCA, Dholi have been selected in IFFCO KISAN as Sales Officer Trainee during campus recruitment drive of university. Dean, TCA Dholi congratulated and wishing them all the best for future career



RESEARCH ACTIVITIES

- **Fourteenth Research Council Meet (Kharif-2023) organised**



The 14th RCM (Kharif-2023) of RPCAU, Pusa was organized from 03rd to 05th July 2023. The event was inaugurated by Hon'ble Vice Chancellor, RPCAU, Pusa. The invited experts of the Research Council were Dr. A.R. Pathak, Former Vice Chancellor, Navsari Agriculture University (Gujarat), Dr. M.B.Chetti, Vice Chancellor, Sanskruti University (Mathura) & Former Vice Chancellor, UAS Dharwad, Dr. Meenu Srivastava, Dean, College of Community Science, MPUAT, Udaipur, Rajasthan, Dr. Dilip Kumar, Former Director, CIFE, Mumbai, Advisor, Bihar Animal Science University, Bihar Veterinary College Campus, Patna and Dr. Bikas Das, Director, NRC Litchi, Muzaffarpur, Bihar. There after all the Deans and Directors presented the major academic accomplishments of their respective units. In the technical sessions, seventeen university



विशिष्ट अनुसंधान पर प्रकाश डाला गया और भविष्य के कार्यों की समीक्षा की गई। मौजूदा 35 भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं में से, सत्रह को प्रस्तुत किया गया और उनपर चर्चा भी की गई। बिहार के जौन-1 के आंचलिक अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (ZREAC) की कार्यवाही एवं चर्चा के दौरान दो किस्में - राजेंद्र चना-2, राजेंद्र चना-3 और राजेंद्र मसूर-1 (टीसीए डीएल 2019-6) को एस.वी.आर.सी. से अनुशंसा और अधिरूचना के लिए सिफारिश की गई। एक अन्य तकनीक "तारो फसल बुआई संयंत्र" को उक्त परिषद द्वारा अनुशंसित किया गया।

- **शैक्षणिक और अनुसंधान उद्देश्यों की पूर्ति हेतु** दिनांक 26.07.2023 को डॉ. रा.प्र.के. कृ.वि. पूसा द्वारा भा.कृ.अनु.प.-सीफेट (ICAR-CIPHET), लुधियाना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। विश्वविद्यालय की ओर से माननीय कुलपति ने सभी अधिष्ठातागण, निदेशकगण और संकाय सदस्यों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये, वहीं डॉ. नचिकेत कोतवालीवाले, निदेशक, भा. कृ. अनु. प -सिफेट, लुधियाना ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।



प्रसार गतिविधियाँ

- **कृषि विज्ञान केंद्र तुर्की का एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम** कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की ने बाजरा एवं इसके संवर्धन हेतु दिनांक 15/07/2023 को एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस आयोजन में 60 छात्रों ने भाग लिया और प्रक्षेत्र का भ्रमण भी किया। दिनांक 10/07/2023 को राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस का आयोजन किया गया जिस में 39 किसानों एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया।



- **विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों में भा. कृ. अनु. प. का स्थापना दिवस और प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया** दिनांक 16 से 18 जुलाई, 2023 के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र गोपालगंज में भा. कृ. अनु. प. का 95वां स्थापना दिवस मनाया गया जिस में कुल



120 किसान और कृषक महिलाओं ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर अन्य उपयोग की जा रही प्रौद्योगिकियों के उपयोग और लाभों पर भी चर्चा की गई। इसके अलावा, धान, मक्का जैसी फसलें वाले प्रक्षेत्रों का भ्रमण दौरा भी किया गया। साथ ही प्राकृतिक कृषि गतिविधियाँ, विभिन्न कृषि तकनीकों जैसे डी.एस.आर, ड्रम आदि का प्रयोग कर बीज बोने की मशीन, धान-गेहूँ बोने की मशीन, ऊँचे मेड़ों पर पौधा रोपण आदि के भी प्रदर्शित किया गया।

- **विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में** "वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी) की 20वीं बैठक का आयोजन 21 जुलाई को कृषि विज्ञान केंद्र, बेगुसराय में किया गया। बेगुसराय के कृषि विज्ञान केंद्र की प्रमुख उपलब्धियाँ, कार्ययोजना, और पिछली वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। बैठक में दक्षिण एशिया के अधिकारी अनाज प्रणाली पहल (सीएसआईएसए) और विस्तार शिक्षा, कृषि विभाग के निदेशक पटना से मौजूद रहे।



- **कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की ने 25 जुलाई 2023 को 5वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठक का आयोजन किया।** बैठक की अध्यक्षता माननीय कुलपति ने की। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में, श्री गोपाल मीना (आईएएस) आयुक्त, मुजफ्फरपुर, उपस्थित थे। आशुतोष दिवेदी (आईएएस), डीडीसी, मुजफ्फरपुर, निदेशक विस्तार शिक्षा, पूसा, अधिष्ठाता, मत्स्यकी महाविद्यालय ढोली, और श्री रेवती रमन (आईएएस), संयुक्त निदेशक (कृषि), और डीएओ, इस बैठक में मौजूद थे। नाबाई के डीडीएम मुजफ्फरपुर भी बैठक में उपस्थित रहे।



funded projects and eleven externally funded projects were elaborately presented. Their specific research highlights and the future programme of actions were reviewed. Out of the ongoing 35 ICAR-AICRPs in the University, seventeen were presented and discussed. Hon'ble Vice chancellor and the invited experts gave their precious inputs for betterment of research programme in the University. The proceeding of the ZREAC for Zone-1 of Bihar was presented and discussed. During this event two varieties namely Chickpea-Rajendra Chana-2, Rajendra Chana-3 and Lentil-Rajendra Mashoor-1 (TCA DL 2019-6) was recommended by the house for release and notification from SVRC. One technology "Taro Crop Sowing Implement" was also presented and released in the research council.

➤ **RPCAU, Pusa signed MoU with ICAR-CIPHET, Ludhiana**

A MOU was signed between RPCAU, Pusa and ICAR-CIPHET, Ludhiana on 26.07.2023 for academic and research purposes. Hon'ble Vice Chancellor graced the event in presence of all the Deans, Directors and faculty members of CAET, Pusa. Dr. Nachiket Kotwaliwale, Director, ICAR-CIPHET, Ludhiana signed the MOU.



EXTENSION ACTIVITIES

- **Krishi Vigyan Kendra Turki** conducted one day awareness programme on 15/07/2023 for promotion of millets and its importance. In this event 60 student participated and field visit was also organized. Another programme on National Fish Farmers Day was organized on 10/07/2023 where in programme 39 farmers and farm women participated.



- **ICAR Foundation Day and Technology Day were celebrated in different Krishi Vigyan Kendras of RPCAU, Pusa**

KVK Gopalganj celebrated the 95th ICAR foundation day from 16 to 18th July, 2023. A total of 120 farmers and farm women



took part in the programme. On this occasion, different lectures on use and benefits of technologies being utilised in agriculture sector were discussed with the farmers. In addition, visits to demonstration fields where crops like paddy, maize etc. were sown using different techniques like DSR, drum seeder, paddy-wheat seeder, raised bed planting etc. were conducted. Natural farming activities were also highlighted during field visits and lectures.

- **Scientific Advisory Committee (SAC) Meeting Organised**

KVK, Begusarai organised the 20th SAC meeting on July 21, 2023 under the chairmanship of Hon'ble Vice Chancellor, RPCAU, Pusa. Senior Scientist and Head of KVK, Begusarai presented KVK's achievements, the action plan, and the Action Taken Report of previous SAC meeting. Director Extension Education, Officers from the agriculture department of Begusarai and Cereal Systems Initiative for South Asia (CSISA), Patna were present in the meeting.



KVK, Turki organised the 5th SAC meeting on July 25, 2023. Hon'ble Vice Chancellor chaired the meeting. As Chief Guest, Sri Gopal Meena (IAS) Commissioner, Muzaffarpur graced the event. Sri Ashutosh Diwedi (IAS), DDC, Muzaffarpur, Director Extension Education, RPCAU, Pusa, Dean COF, Dholi, Sri Revati Raman (IFS), Joint Director, (Agriculture), and DAO, Muzaffarpur, DDM, NABARD, were present in this meeting.



- दिनांक 27/07/2023 को कृषि विज्ञान केंद्र, गोपालगंज द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि कार्यक्रम का लाइव प्रसारण आयोजित किया गया। इसमें कुल 106 किसानों एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया।



- कृषि विज्ञान केंद्र, गोपालगंज में प्रशिक्षण कार्यक्रम और एफएलडी आयोजित किये गये: कृषि विज्ञान केंद्र, गोपालगंज द्वारा शोभनचक (कुचायकोटे) गांव में एकीकृत कीट-नाशी पर तीन अलग-अलग प्रशिक्षण कार्यक्रम और एफएलडी आयोजित किये गये। गाँव में धान की फसल में यांत्रिक खरपतवार प्रबंधन एवं मशरूम के मूल्यवर्धन पर आयोजित कार्यक्रम में 29 (उनतीस) किसानों और कृषक महिलाओं ने भाग लिया।



- दिनांक 12 जुलाई 2023 को कृषि विज्ञान केंद्र, शिवहर ने दूधिया मशरूम उत्पादन पर एक एफ.एल.डी कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में कुल 21 मशरूम उत्पादकों ने भाग लिया, जिनमें 13 महिला उत्पादक भी शामिल रहीं। दूधिया मशरूम की खेती किट जैसे-स्पॉन, पॉलिथीन बैग, रबर बैंड आदि किसानों के बीच वितरित किए गए, ताकि वे दूधिया मशरूम की खेती को अपना सकें और उसे अधिक व्यापक रूप से बढ़ावा दे सकें।
- कृषि विज्ञान केंद्र, शिवहर ने भी तीन अलग-अलग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। दिनांक 18 से 22 जुलाई 2023 तक "बकरी पालन" पर, 24 से 26 जुलाई 2023 तक "मशरूम की खेती" पर और 24 से 28 जुलाई 2023 तक "वर्मिकम्पोस्टिंग की विधियाँ" पर तीन अलग-अलग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गये। इन कार्यक्रमों में कुल 72 किसानों को प्रशिक्षित किया गया, जिनमें 16 महिला किसान भी शामिल रहीं, और उन्हें मशरूम की खेती, बकरी पालन, और वर्मिकम्पोस्टिंग की विधियों का प्रशिक्षण दिया गया।

- कृषि विज्ञान केंद्र ने किसानों के लिए एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया: जिसमें प्राकृतिक खेती परियोजना के तहत गोपालगंज क्षेत्र का भ्रमण किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा की गई गतिविधियों की निगरानी के लिए दिनांक 26.07.2023 को डॉ.रा.प्र.के.कृ.वि.वि., पूसा



एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया, जिसमें किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति उनकी रुचि को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न तरीकों का प्रदर्शन किया गया। फसल डीएसआर, ड्रम सीडर, चावल गेहूँ सीडर, ऊँचे मेड़ो आदि के उपयोग के तरीके भी किसानों को बताए गए, ताकि उन्हें उचित तरीके से रोपण करने में मदद मिल सके। प्राकृतिक खेती में विभिन्न उपादान की तैयारी और उत्पादन के प्रदर्शन के लिए भी एक इकाई का प्रदर्शन किया गया।

खेल ,पुरस्कार और अन्य गतिविधियाँ

- इंडिया टुडे एम.डी.आर.ए सर्वेक्षण रिपोर्ट, 2023 के शीर्ष 10 विश्वविद्यालयों (10वीं रैंक) में स्थान बनाने में कामयाबी हासिल की है। शीर्ष 10 की सूची में देश के शहरी क्षेत्रों में विद्यमान अन्य विश्वविद्यालयों की उपस्थिति एवं हमारे विश्वविद्यालय की ग्रामीण पृष्ठभूमि में उपस्थिति के बावजूद सामान्य विश्वविद्यालयों की श्रेणी में स्थान बनाना, इस उपलब्धि को और विशेष बना देता है।



- श्री राजीव के. ब्रह्मचारी, सहायक प्राध्यापक, मत्स्यकी महाविद्यालय, डोली और सुश्री अदिति बनिक, पीएच.डी. विद्यार्थी (जलकृषि) को सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार, मत्स्यकी महाविद्यालय, किशनगंज, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (BASU) पटना में 19-21 जुलाई 2023 तक आयोजित "सतत मत्स्य पालन के माध्यम से ग्रामीण गरीबी में परिवर्तन एवं समृद्धि विषय" पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन (टीआरपीएसएफ-2023) में प्राप्त किया।



- **Krishi Vigyan Kendra, Gopalganj** organized live telecast of PM Kisan Samman Nidhi Programm on 27/07/2023 at KVK campus. A total of 106 farmers and farmwomen took part in the programme.



- **Training Programmes and FLDs Organised**
KVK, Gopalganj Three different training programmes were organised by the KVK Gopalganj on Integrated Insect-pest management in the village Sobhanchak (Kuchaikote), on Mechanical weed management in paddy crop in the village Durg Matihaniya (Kuchaikote) and on value-addition of mushroom. Twenty-nine farmers and farm women attended the training programmes.



- **KVK, Sheohar** conducted a FLD programme on Milky Mushroom Production on 12th July, 2023. A total of 21 mushroom growers participated in the programme including 13 women growers. Milky mushroom cultivation kits i.e. spawn, polythene bags, rubber bands etc. were distributed among the farmers for wide adoption and cultivation of milky mushroom.
- **Three different RY training programme was also organized at KVK, Sheohar** on "Goat farming" from 18th to 22nd July, 2023, "Mushroom Cultivation" from 24th to 26th July, 2023 and "methods of vermicomposting" from 24th to 28th July, 2023. A total of 72 farmers including 16 female farmers were trained in mushroom cultivation, goat farming and vermicompost production.
- **Exposure Visits for the Farmers organised by KVK**
KVK Gopalganj Field visits under natural farming project were organised on 26.07.2023 to monitor activities carried out by farmers on their fields. Exposure visits under CRA programme



and natural farming were also organised. Under CRA Programme, the crop grown by DSR, drum seeder, rice wheat seeder, raised bed planting methods were shown to the farmers and under natural farming, different inputs being prepared at production unit were demonstrated.

AWARD SPORTS & OTHERS ACTIVITIES

- **Ranked in top 10 universities (10th Rank) of India Today MDRA survey report, 2023.** It is a unique honor for the university in a sense that this is the only agricultural university to find place in India Today MDRA Survey general universities (in top 10) of the country despite of having locational disadvantage of rural setup as other universities mentioned in the list are situated in urban areas.



- **Sri Rajive K. Brahmchari, Assistant Professor**, College of Fisheries and **Ms. Aditi Banik, Ph.D. Scholar (Aquaculture)** conferred Best Oral Presentation award during the National Conference on "Transforming Rural Poverty to Prosperity through Sustainable Fisheries (TRPSF-2023)" organized by College of Fisheries, Kishanganj, Bihar, BASU, Patna) held from 19-21st July, 2023



Dr. R.P.C.A.U., Pusa

- डॉ. शिवेंद्र कुमार, सह-प्राध्यापक, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली द्वारा मत्स्यकी महाविद्यालय, किशनगंज (बिहार कृषि विश्वविद्यालय) द्वारा 19-21 जुलाई, 2023 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी (जिसका विषय था Transforming Rural Poverty to Prosperity through Sustainable Fisheries) में "मत्स्यकी क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा की संभावना" विषय पर प्रमुख वार्ता प्रस्तुत किया गया।



- डॉ. अजीत कुमार, सहायक प्राध्यापक (मृदा विज्ञान), गन्ना अनुसंधान संस्थान, पूसा ने 20-21 जुलाई, 2023 के अवधि में (कॉन्फ्रेंस माइंड ऑफ़ फ्रैंकफर्ट) जर्मनी द्वारा पादप जीनोमिक्स और पादप विज्ञान पर आयोजित तीसरी वर्ल्ड कांग्रेस में (हाइब्रिड मोड) में भाग लिया, और एक मुख्य व्याख्यान दिया।

- नेताजी सुभाष आई.सी.ए.आर.-इंटरनेशनल अध्येतावृत्ति: श्री विकास कुमार राय, सहायक प्राध्यापक, मृदा विभाग विज्ञान, टीसीए, ढोली को प्रतिष्ठित नेताजी सुभाष आईसीएआर अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप 2022-23 के लिए चयन किया गया है जिसके तहत उन्हें पी.एच.डी. करने के लिए मिशिगन राज्य विश्वविद्यालय, यू.एस.ए. में अवसर मिलेगा।



- डॉ. एच.एस. मोगलेकर, सहायक प्राध्यापक, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली को जुलाई, 2023 माह के लिए एक पत्रिका "विज्ञान वार्ता" के लिए उत्कृष्ट समीक्षक के रूप में सम्मानित किया गया।

- सुश्री अदिति बनिक, पीएच.डी स्कॉलर, (एक्वाकल्चर) मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली को मत्स्यकी महाविद्यालय, किशनगंज, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (B A S U) पटना में 19-21 जुलाई 2023 तक आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन (टीआरपीएसएफ-2023) में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।



- श्री पंकज कुमार सिंह, मत्स्य विज्ञान (बैच 2018-19) के छात्र को "डॉ. के. सी. नाइक पुरस्कार" मिला और प्रोफेशनल फिशरीज ग्रेजुएट्स फोरम, भारत द्वारा आयोजित भारत के सर्वश्रेष्ठ मत्स्य पालन स्नातक-2022 की परीक्षा में प्रथम रैंक प्राप्त हुआ।



डॉ.रा.प्र.के.कृ.वि.वि., पूसा

- सुश्री पूर्वा शरण, बी.एफ.एससी. छात्रा (बैच 2018-19) ने "प्रो. एच.पी.सी.शेटी पुरस्कार" और दूसरी रैंक हासिल की। श्री विनीत आनंद ने भी उक्त परीक्षा में 8वीं रैंक हासिल की।



- स्नातक छठा सेमेस्टर समुदाय विज्ञान महाविद्यालय के छात्रों ने "माता-पिता एवं शिक्षक भेंट" कार्यक्रम का आयोजन किया जिसकी बैठक 21 जुलाई 2023 को अधिष्ठाता की अध्यक्षता में हुई। इस कार्यक्रम में प्रो. एवं विभागाध्यक्ष डॉ. आरती सिन्हा की उपस्थिति में सी.सी.एस.सी पाठ्यक्रम के तहत मानव विकास और परिवार अध्ययन की 'शैक्षिक मनोविज्ञान और प्रारंभिक बचपन शिक्षा' पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में लगभग 110 अभिभावक, संकाय सदस्य और छात्रों ने भाग लिया और विचारों की आलोचना करके बचपन की शिक्षा और माता-पिता-शिक्षक संबंध पर जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही, नन्हें-मुन्ने बच्चों के बीच "स्वच्छ भारत" की अवधारणा को विकसित करने का प्रयास किया गया।



- माननीय कुलपति महोदय की गरिमामयी उपस्थिति में निम्नलिखित विश्वविद्यालय कर्मचारियों का विदाई समारोह जो 31 जुलाई, 2023 को विश्वविद्यालय सेवा से सेवानिवृत्त हुए, का आयोजन किया गया।

1. डॉ. (श्रीमती) बिमला राय
अध्यक्ष, पादप रोग विज्ञान एवं सूत्रकृमि विभाग
2. श्री नागेन्द्र पासवान
एस.एस.एस., बागवानी विभाग



> **Dr. Shivendra Kumar, Associate Professor,** College of Fisheries, Dholi delivered Lead Talk on "The prospect of Higher Education in the Fisheries Sector" in the Satellite Event: Career Guidance Consortium during the National Conference on "Transforming Rural Poverty to Prosperity through Sustainable Fisheries (TRPSF-2023)" organized by College of Fisheries, Kishanganj, Bihar, BASU, Patna) held from 19-21st July, 2023.



> **Dr. Ajeet Kumar, Assistant Professor (Soil Science),** Sugarcane Research Institute, Pusa attended 3rd World Congress on "Plant Genomics and Plant Science" during 20-21 July, 2023 organized by Conference Mind of Frankfurt, Germany in hybrid mode and delivered a key note lecture on 'Isolation and biochemical characterization of endophytic bacterium *Gluconacetobacter diazotrophicus* from native sugarcane cultivar of middle Gangetic plains'.

> **Scientist Bagged Netaji Subhash ICAR-International Fellowship**

Mr. Vikas Kumar Rai, Assistant Professor, Department of Soil Science, TCA, Dholi has been selected for the prestigious Netaji Subhash ICAR International Fellowship 2022-23 by the Government of India for pursuing Ph.D at Remote Sensing in Hydrology and Agriculture Laboratory under Michigan State University, USA.



> **Dr. H.S. Mogalekar, Assistant Professor,** College of Fisheries was recognized as excellent Reviewer for the month of July, 2023 for a magazine "Vigyan Varta".

> **Ms. Aditi Banik, Ph.D. Scholar (Aquaculture)** of College of Fisheries, Dholi conferred Best Oral Presentation award under the theme "Priming Indian Aquaculture for boosting rural economy" in the National Conference on "Transforming Rural Poverty to Prosperity through Sustainable Fisheries (TRPSF-2023)" organized by College of Fisheries, Kishanganj, Bihar, BASU, Patna) held during 19-21st July, 2023



> **Mr. Pankaj Kumar Singh, BFSc student (Batch 2018-19)** received "Dr. K. C. Naik Award" and secured 1st rank in the examination of Best Fisheries Graduates of India-2022 organized by Professional Fisheries Graduates Forum, India.



> **Ms. Purva Sharan, BFSc student (Batch 2018-19)** received "Prof. H.P.C.Shetty Award" and secured 2nd rank. Mr. Vineet Anand also secured 8th rank in the aforesaid examination



> **The 6th Semester U.G. students of College of Community Science, RPCAU, Pusa** organized an event on "Parents Teacher Meeting" on July 21st 2023 under the chairmanship of Dean, C.C.Sc., in presence of Dr. Arti Sinha, Prof. and Head, Department of Human Development and Family Studies in the course 'Educational Psychology and Early Childhood Education'. Approximately 110 parents, faculties and students participated to learn, discuss and share their views on importance of early childhood education and parent teacher relationship. The Tiny-Tots were also inculcated the concept of "Clean India and Green India".



> **A farewell ceremony of the following university employees who superannuated from University Service on 31th July, 2023 was organized in the gracious presence of Hon'ble Vice-Chancellor, RPCAU, Pusa**

1. **Dr. (Smt.) Bimla Rai**
Head, Department of Plant Pathology & Nematology
2. **Shri Nagendra Paswan**
SSS, Department of Horticulture

